



भारत का राजपत्र The Gazette of India

२. भाग II
PART II

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

118
24/1/89

सं. 17] नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 6, 1989/पौष 16, 1910
No. 17] NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 6, 1989/PAUSA 16, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

पर्यावरण एवं वन मंत्रालय
(पर्यावरण, वन तथा जलजीव विभाग)
दिल्ली, 6 जनवरी, 1989

पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 3(2)(5) और पर्यावरण (संरक्षण)
नियम, 1986 के नियम 5(3)(घ) के अधीन महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में मुरुद-जंजीरा
क्षेत्र में उद्योगों की प्रतिबंधित करने के लिए अधिसूचना

का. प्रा. संख्या 20 (अ):—महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में मुरुद-जंजीरा क्षेत्र में
सभी उद्योगों की अवस्थिति पर प्रतिबंध अवरोधित करने के निरुद्ध आक्षेप मांगने के लिए
पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) के अधीन, का. प्रा.
संख्या 351 (अ), तारीख 7 दिसंबर, 1988 द्वारा एक अधिसूचना प्रकाशित की गई थी ;

और केन्द्रीय सरकार द्वारा प्राप्त सभी आक्षेपों पर गम्भीर रूप से विचार कर लिया गया है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त नियमों के नियम 5 के उपनियम (3) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ऐसे सभी उद्योगों की अवस्थिति, जो रेवदन्दा कीक (19° 35' अक्षांश) से देवगढ़ प्वाइंट (अक्षांश के निकट) 18° 0' अक्षांश) तक उच्च उबार बिहुम से एक किलोमीटर की पट्टी में और राजपुरी कीक से उसके किनारे के साथ-साथ म्हासला तक एक किलोमीटर की पट्टी में प्रचालन या संक्रियाएं चलाते हैं, उन उद्योगों, प्रचालनों या प्रक्रियाओं को छोड़कर, जो पर्यटन की उन्नति और विकास के संबंध में की जा रही हैं और जिन्हें पर्यावरण प्रभाव की परीक्षा करने के पश्चात् केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमति किया गया है, प्रतिबिद्ध करती है ।

[फाइल संख्या जे.-19011/30/86-आई० ए.]

सुधा श्रोत्रिया, अवर सचिव

MINISTRY OF ENVIRONMENT & FORESTS

(Department of Environment, Forests & Wildlife)

New Delhi, the 6th January, 1989

NOTIFICATION under Section 3(2) (v) of Environment (Protection) Act, 1986 and Rule 5(3) (d) of Environment (Protection) Rules, 1986, Prohibiting Industries in Murud-Janjira Area in the Raigadh District of Maharashtra.

S.O. No. 20(E).—Whereas a notification under sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, inviting objections against the imposition of prohibition on the location of all industries in Murud-Janjira area in Raigadh district of Maharashtra was published vide No. S. O. 851 (E), dated the 7th September, 1988 ;

And Whereas all objections received have been duly considered by the Central Government ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-rule (3) of Rule 5 of the said rules, the Central Government hereby prohibits location of all industries, carrying on of operations or processes in a belt of one kilometre from the high tide mark from the Revdanda Creek (lat 19° 35') upto Devgarh Point (near Shrivardhan) (lat 18° 0') as well as in a one kilometre belt along the banks of the Rajpuri Creek upto Mhasla, except those industries, operations or processes which are in connection with the promotion and development of Tourism and those which are permitted by the Central Government after examining the environment impact.

[File No. J-19011/30/86-IA]

SUDHA, SHROTRIA, Under Secy.